



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 456]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 8, 1982/आश्विन 16, 1904

No. 456]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 8, 1982/ASVINA 16, 1904

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1982

का. आ. 719(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./82 :—
केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधि-
नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-धारा
(1) के गण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश
सं. का. आ. 602(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./74,
तारीख 9 अक्टूबर, 1974 (जिसमें इसमें पश्चात् उक्त
आदेश कहा गया है) द्वारा उसमें निम्नलिखित व्यक्ति निकाय
को मैसर्स मोटर एण्ड मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता
का प्रबन्ध 9 अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की
अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था और
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के
आदेश सं. का. आ. 567(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./
78, तारीख 25 सितम्बर, 1978 द्वारा उक्त व्यक्ति निकाय के
स्थान पर उक्त औद्योगिक उपक्रम के मुख्य अधिशासक श्री पी.
एन. रामचन्द्रन को प्रतिस्थापित किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश सं. का. आ. 572(अ) 18-कक/आई. डी.

आर. ए./79, तारीख 8 अक्टूबर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की
अवधि 8 अक्टूबर, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित
है बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 866(अ)/
18-कक/आई. डी. आर. ए./80, तारीख 29 अक्टूबर, 1980
द्वारा भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड, कलकत्ता के उप-
महाप्रबन्धक श्री के. एम. बनर्जी को उक्त औद्योगिक उपक्रम
का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश सं. का. आ. सं. 738/18-कक/आई. डी.
आर. ए./81, तारीख 6 अक्टूबर, 1981 द्वारा उक्त आदेश की
अवधि 8 अप्रैल, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है
और बढ़ा दी गई थी ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश सं. का. आ. 263(अ)/18-कक/आई. डी.
आर. ए./82, तारीख 8 अप्रैल, 1982 द्वारा उक्त आदेश की
अवधि 8 अक्टूबर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित
है, और बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह
गमभीनी है कि उक्त आदेश तीन मास की और अवधि के लिए
प्रभावी बना रहना चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उप-धारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18-कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त आदेश 8 जनवरी, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. सं. 2(23)/79-सी यू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 8th October, 1982

S.O. 719(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 602(E)/18AA/IDRA/74, dated the 9th October, 1974 (hereinafter referred to as the said Order) made in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government authorised a body of persons specified therein to take over the management of Messrs Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, for a period of five years commencing from 9th October, 1974 and the said body of persons was replaced by Shri P. N. Ramachandran, Chief Executive of the said industrial undertaking by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 567(E)/18AA/IDRA/78, dated the 25th September, 1978,

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 572(E)/18AA/IDRA/79, dated the 8th October, 1979, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 8th October, 1981;

And, where as by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 866(E)/18AA/IDRA/80, dated the 29th October, 1980, the Central Government authorised Shri K. M. Banerjee, Deputy General Manager, Bharat Heavy Electricals Limited, Calcutta, to takeover the management of the said industrial undertaking;

And, whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 738/IDRA/81, dated the 6th October, 1981, the duration of the said order was further extended upto and inclusive of the 8th April, 1982;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 263(E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th April, 1982, the duration of the said order was further extended upto and inclusive of the 8th October, 1982;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said order should continue to have effect for a further period of three months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 8th January, 1983.

[F. No. 2(23)/79-CUS]

फा. सं. 720(अ)/18-अख/आई. डी. आर. ए./82 :—
केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-अख की उप-धारा

(1) क खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. फा. सं. 37(अ)/18-अख/आई. डी. आर. ए./75, तारीख 17 जनवरी, 1975 (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश को जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्तियों के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों फा (उनमें भिन्न, जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों में सम्बन्धित है) जिनका संसर्ग मोटर एण्ड मशीनरी मैन्युफैचरर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हो, प्रवर्तन उस तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निरन्तर रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरन्तर रहेंगे ;

और उक्त आदेश की अवधि 8 अक्टूबर, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का संसाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 8 जनवरी, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18-अख की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 8 जनवरी, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 2(23)/79-सी यू. एस.]

ए. पी. सरवन, सहायक सचिव

S.O. 720(E)/18FB/IDRA/82.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 37 (F)/IDRA/75, dated the 17th January, 1975, (hereinafter referred to as the said order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts assurances of property, agreements, settlements, awards, standing order or other instruments in force immediately before the date of issue of the said order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations and liabilities, accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

And whereas the duration of the said order was further extended upto and inclusive of the 8th October 1982 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said order should be extended for a further period upto and inclusive of the 8th January, 1983.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said order upto and inclusive of the 8th January, 1983.

[File No. 2(23)/79-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.